हिन्दी साप्ताहिक

बतकही

RNI No. UPHIN/2021/82967

वर्ष 4 अंक 4 | फतेहपुर, सोमवार 2 सितम्बर 2024 | पृष्ठ 4 मूल्य 1 रूपया

2 सितंबर से शुरु होगा भाजपा का सदस्यता अभियान पीएम मोदी बनेंगे पार्टी के पहले सदस्य

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा 2 सितंबर से देशभर में राष्ट्रीय सदस्यता अभियान शुरू करने जा रही है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 2 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पार्टी का पहला सदस्य बनाकर इस अभियान की शुरुआत करेंगे। पीएम नरेंद्र मोदी मिस्ड कॉल के जरिए फिर से भाजपा के सदस्य बनेंगे।भाजपा राष्ट्रीय महासचिव एवं पार्टी के राष्ट्रीय सदस्यता अभियान के संयोजक विनोद तावड़े ने पार्टी मुख्यालय में मंगलवार को मीडिया को संबोधित करते हुए बताया कि भाजपा के संविधान के मुताबिक, हर 5–6 साल बाद नए सिरे से सबको फिर से पार्टी का सदस्य बनाया जाता है। कोरोना के संकट के समय यह सदस्यता अभियान सीमित रूप से ही चल पाया था। लेकिन अब 2 सितंबर से पार्टी देशभर में अपना सदस्यता अभियान (संगठन पर्व) शुरू करने जा रही है। अगले महीने 2 सितंबर को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा

पीएम नरेंद्र मोदी को फिर से पार्टी का पहला सदस्य बनाएंगे और उसके बाद पूरे देश में यह सदस्यता अभियान शुरू होगा। पीएम नरेंद्र मोदी मिस्ड कॉल के जरिए फिर से भाजपा के सदस्य बनेंगे और यह कार्यक्रम 2 सितंबर को शाम 5 बजे भाजपा के दिल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय विस्तार में आयोजित होगा। देश का कोई भी नागरिक 8800002024 नंबर पर मिस्ड कॉल देकर या फिर नमो ऐप के माध्यम से भाजपा की सदस्यता ले सकता है।तावड़े ने यह भी बताया कि वर्ष 2014 तक चीन की कम्युनिस्ट पार्टी दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल हुआ करता था लेकिन 2014 में जब भाजपा के 11 करोड़ सदस्य बने, उसके बाद भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई। सदस्यता अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए विनोद तावड़े ने बताया कि सदस्यता सिर्फ संपर्क का कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश की जनता तक भाजपा के विचार और भाजपा की सरकार द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी पहुंचाना इसका लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि 31 अगस्त को देश के सभी बूथों पर सदस्यता अभियान को लेकर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन होगा, जिसमें 10 लाख से ज्यादा लोग जुड़ेंगे। उन्होंने बताया कि 2 सितंबर से शुरू होने वाले सदस्यता अभियान का पहला चरण 25 सितंबर तक पूरा होगा। पहले चरण की सदस्यता का विश्लेषण करने के बाद 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक सदस्यता अभियान का दूसरा चरण चलेगा। इसके बाद 16 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक सक्रिय सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। सदस्यता अभियान में जुड़ कर ज्यादा से ज्यादा लोगों को पार्टी से जोड़ने के लिए केंद्रीय मंत्रियों सहित पार्टी के जनप्रतिनिधियों को भी इस अभियान में शामिल किया जाएगा।

अरविंद केजरीवाल को नहीं मिली राहत, कोर्ट ने 3 सितंबर तक बढ़ाई न्यायिक हिरासत

नयी दिल्ली (एजेंसी)। आबकारी नीति मामले में जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 3 सितंबर तक के लिए बढ़ा दी है। अरविंद केजरीवाल को मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए दिल्ली की एक अदालत में पेश किया गया। दिल्ली के मुख्यमंत्री के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के मामले में न्यायिक हिरासत बढ़ाई गई है। केजरीवाल को 21 मार्च को आबकारी नीति मामले से संबंधित धन शोधन के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था। 20 जून को उनके खिलाफ ईडी के मामले में उन्हें ट्रायल कोर्ट से जमानत मिल गई थी। हालाँकि, ट्रायल कोर्ट के जमानत आदेश को दिल्ली उच्च न्यायालय ने 21 जून को खारिज कर दिया था। इसके बाद अरविंद केजरीवाल ने उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ 22 जून को सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। फिर 26 जून को अरविंद केजरीवाल को आबकारी नीति मामले में सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया। बाद में, सुप्रीम कोर्ट ने 11 जुलाई को ईडी द्वारा दर्ज धन शोधन मामले में केजरीवाल को जमानत दे दी। अरविंद केजरीवाल ने जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है और सीबीआई द्वारा की गई गिरफ्तारी को चुनौती दी है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर 5 सितंबर को सुनवाई करेगा। इस बीच, सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का बचाव करते हुए सर्वोच्च न्यायालय से कहा कि यह आवश्यक था, क्योंकि दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कथित आबकारी नीति घोटाले में अपनी भूमिका के बारे में सवालों के जवाब में "गोलमोल जवाब और असहयोग" का रास्ता चुना था।

फर्रुखाबाद में पेड़ से लटके मिले दो लड़कियों के शव

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले के कायमगंज कोतवाली क्षेत्र में जन्माष्टमी के पर्व पर मंदिर के लिए घर से निकलीं 15 और 18 वर्ष की दो सहेलियों के शव मंगलवार को बाग में आम के एक पेड़ से लटके पाए गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। शवों को बरामद करने के बाद पुलिस ने बताया कि दोनों के शव दो दुपट्टे जोड़कर बनाए गए फंदे से लटके थे। इस बीच राज्य के मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस ने 'महिला सुरक्षा को लेकर सरकार से ठोस कदम उठाने की अपील करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार इस मामले में तत्काल निष्पक्ष जांच करे और हत्या के इस संदिग्ध मामले में अपनी आख्या प्रस्तुत करे। पुलिस के अनुसार कायमगंज कोतवाली क्षेत्र के ग्राम भगौतीपुर निवासी पप्पू जाटव की 15 वर्षीय पुत्री शशि अपने गांव की ही सहेली बबली (18) पुत्री रामवीर के साथ मंदिर में दर्शन के लिए निकली थीं। रामवीर ने बताया कि शशि व बबली सोमवार की रात लगभग 10 बजे घर से कुछ ही दूरी पर स्थित मंदिर के लिए निकली थीं, जहां जन्माष्टमी का आयोजन किया गया था। काफी देर के बाद जब दोनों वापस नही आयीं तो परिजनों को आशंका हुई और दोनों की तलाश शुरू की गयी, लेकिन उनका कोई पता नहीं चला। पुलिस के अनुसार,

मंगलवार सुबह दोनों के शव गांव के ही निकट बाग में आम के पेड़ से लटके पाए गए। ग्रामीणों ने जब शव लटके देखे तो परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक (एसपी) आलोक प्रियदर्शी, सीओ जय सिंह परिहार समेत अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों के शवों को फंदे से उतरवाकर जांच शुरू कर दी है। परिजनों ने हत्या करने के बाद शव लटका देने का आरोप लगाया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक मृतका के पास से मोबाइल फोन और सिम मिला है। एसपी आलोक प्रियदर्शी नें बताया कि मामले के हर पहलू की जांच की जा रही है और पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। इस बीच मामले को लेकर समाजवादी पार्टी (एसपी) के प्रमुख और उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने 'एक्सश पर एक पोस्ट में कहा, ''उप्र के फर्रुखाबाद में जन्माष्टमी उत्सव देखने के लिए घर से निकलीं दो लड़कियों के शव पेड़ की शाखा के सहारे लगाए गए फंदे से लटके पाए गए। एक बेहद संवेदनशील घटना है। सपा प्रमुख ने इस पोस्ट में कहा, ''भाजपा सरकार इस मामले में तत्काल निष्पक्ष जांच कराए और हत्या के इस संदिग्ध मामले में अपनी आख्या प्रस्तुत करे। उन्होंने कहा, ''ऐसी घटनाओं से समाज में एक भयावह वातावरण बनता है जो नारी समाज को मानसिक रूप से बहुत गहरा आघात पहुंचाता है। 'महिला सुरक्षा को राजनीति से ऊपर उठकर एक गंभीर मुद्दे के रूप में उठाने का अपरिहार्य समय आ गया है।श्श यादव ने इस पोस्ट में मौके पर पुलिस की मौजूदगी का 17 सेकंड का एक वीडियो भी साझा किया है। कांग्रेस की उप्र इकाई ने 'एक्स पर अपने आधिकारिक 'अकाउंटश पर एक पोस्ट में कहा, ''फर्रुखाबाद में जन्माष्टमी के दिन मंदिर गईं दो लड़कियों के शव आम के बाग में फंदे से लटके पाए गए। इन्हें यहां किसने लटकाया? क्यों लटकाया? किसी को कुछ नहीं पता। कांग्रेस ने सवाल उठाते हुए इसी पोस्ट में कहा, ''यह प्रदेश महिलाओं के लिए श्मशान बन गया है। घर से बाहर निकलने वाली कोई महिला यहां सुरक्षित महसूस नहीं करती। सरकार बेखौफ दरिंदों पर लगाम लगाने के लिए कोई तो ठोस कदम उठाए! कब तक यूं हमारी बहन–बेटियां डर के साये में सांस लेती रहेंगी?

दिल्ली इतनी असुरक्षित है कि कहीं भी जान जा सकती है : कांग्रेस

नयी दिल्ली कांग्रेस ने केंद्र और दिल्ली सरकार पर निशाना साधते हुए सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी इतनी असुरक्षित है कि कहीं भी लोगों की जान जा सकती है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि आम आदमी पार्टी और भाजपा सरकारों की निष्क्रियता, असंवेदनशीलता और आपसी लड़ाई के चलते राजधानी में कानून–व्यवस्था नदारद है। यादव के मुताबिक, देश की राजधानी ''क्राइम केपिटल'' बन चुकी है। राजधानी में दिनदहाड़े गोलीबारी, लूट की घटनाओं पर नियंत्रण पाने में कानून–व्यवस्था पूरी तरह विफल साबित हुई है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच साल में दिल्ली में आपराधिक मामले 65.96 प्रतिशत बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि दुकान में बैठे व्यक्ति को कोई गोली मार जाता है, बाहर निकलने पर करंट लगने से मौत हो जाती है, इंस्टीट्यूट में पढ़ते समय भी मौत का डर, घर में हो तो इमारत गिरने से मौत हो जाती है, नाले में डूबने से लोग मर रहे हैं। कांग्रेस का कहना है कि बदहाल प्रशासनिक इंतजाम और बिगड़ती कानून–व्यवस्था के कारण दिल्ली के लोग पूरी तरह असुरक्षित हैं।

देवेन्द्र यादव ने कहा कि एक दिन तिलक नगर में मिठाई की दुकान में हुई गोलीबारी और दूसरे दिन पश्चिम विहार में हुई फायरिंग की घटना ने दिल्ली की कानून–व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। उत्तर पूर्वी दिल्ली के दयालपुर में मदरसे के बाहर एक पांच वर्षीय लड़के की हत्या कर दी गई। कांग्रेस नेता ने कहा कि जब राजधानी में एक सांसद और दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष तक सुरक्षित नहीं है ।

संपादकीय

सुरक्षा की पेंशन

आखिरकार केंद्र सरकार ने कर्मचारियों के पेंशन के मुद्दे को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करते हुए इस उलझन को दूर करने का प्रयास किया है। उसने पुरानी पेंशन और एनपीएस के बीच का रास्ता निकाल जहां कर्मचारियों के हितों को तरजीह दी है,वहीं राजकोषीय दबाव को भी कम किया है। निस्संदेह, हाल में घोषित एकीकृत पेंशन स्कीम से कर्मचारियों की आर्थिक सुरक्षा को संबल मिलेगा। जिसमें एक निश्चित पेंशन, फैमिली पेंशन का आश्वासन तथा मुद्रास्फीति के दबाव से राहत का प्रयास सम्मिलित है। इस योजना में सेवानिवृत्ति से पहले वर्ष में बारह माह के औसत मूल वेतन का पचास फीसदी पेंशन के रूप में मिलेगा। जिसमें कर्मचारी का योगदान तो दस फीसदी ही रहेगा, लेकिन सरकार का योगदान 14 फीसदी से बढ़कर 18.5 फीसदी हो जाएगा। यह लाभ 25 साल की सेवा के बाद मिलेगा, लेकिन दस साल की सेवा वाले व्यक्ति को भी दस हजार पेंशन का लाभ मिलेगा। निस्संदेह, इस निर्णय के राजनीतिक निहितार्थों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह घोषणा ऐसे वक्त में की गई है जब हरियाणा व जम्मू–कश्मीर में चुनाव कार्यक्रम घोषित है और साल के अंत तक महाराष्ट्र व झारखंड में चुनाव होने हैं। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में विपक्षी दलों ने कर्मचारियों की पुरानी पेंशन की मांग को हवा देते हुए इसे राजनीतिक मुद्दा बनाया था। कहा गया कि हिमाचल प्रदेश में आये जनादेश का एक बड़ा कारण पुरानी पेंशन का मुद्दा था। हालांकि, राजस्थान व पंजाब आदि राज्यों में यह मुद्दा वैसा प्रभावी नजर नहीं आया। निस्संदेह, मुद्दा लोकलुभावन तो था लेकिन पुरानी पेंशन को लागू करने से भारी वित्तीय दबाव बढ़ने की चिंता जतायी गई। तभी बीते साल आरबीआई ने ओपीएस के विकल्प का चयन करने वाले राज्यों पर बढ़ने वाले आर्थिक दबाव पर चिंता जतायी थी। निस्संदेह, इससे सरकारों का राजकोषीय घाटा निरंतर बढ़ने का भी खतरा था। जिसके चलते इस योजना को वर्ष 2004 में समाप्त किया गया था। फिर उसी राह पर लौटना व्यावहारिक भी नहीं था। दरअसल, राजग सरकार का कहना है कि एकीकृत पेंशन योजना वित्तीय अनुशासन के अनुरूप है, जो कि सरकार द्वारा वित्तीय सहायता के साथ कर्मियों के अंशदान से मूर्त रूप लेती है। जिससे जहां एक ओर सेवानिवृत्ति के बाद कर्मियों को वित्तीय सुरक्षा मिल सकेगी, वहीं राजकोषीय विवेक में भी संतुलन बन सकेगा। दरअसल, विपक्षी दलों द्वारा पुरानी पेंशन को मुद्दा बनाने के बाद केंद्र सरकार ने इसके विकल्प पर गंभीरता से विचार किया। फिर अप्रैल 2023 में तत्कालीन वित्त सचिव टीवी सोमनाथ की प्रधानी में बनी कमेटी ने चिंतन–मनन के उपरांत जो सिफारिश सरकार को सौंपी, बीते शनिवार मोदी सरकार के मंत्रिमंडल ने उसे हरी झंडी दिखा दी। बहरहाल, यह लोकतंत्र की खूबसूरती कही जा सकती है कि जन दबाव में सरकार को बड़ा फैसला लेना पड़ा है। निस्संदेह, पूरा जीवन राजकीय सेवा में लगाने वाला कर्मचारी रिटायर होने के बाद आर्थिक असुरक्षा में घिर जाता है। वह भी तब जब देश में सामाजिक सुरक्षा योजनाएं नगण्य हैं। सेवानिवृत्ति के बाद आय के साधन सीमित होने,बढ़ती उम्र की बीमारियों के दबाव तथा बच्चों की अनदेखी के चलते पूर्व कर्मियों को उपेक्षित जीवन जीने को बाध्य होना पड़ता है। यही वजह है कि देश में एकीकृत पेंशन योजना को सकारात्मक प्रतिसाद मिला है।

दो युद्धों के बीच विश्वशांति में भारत की भूमिका

शशिकान्त पाण्डेय

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाल में संपन्न यूक्रेन दौरे के बाद दुनिया भर में इस बात की चर्चा तेज हो गई कि रूस और यूक्रेन के बीच शांति कायम करने में क्या भारत की अहम भूमिका होगी। दरअसल यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदीमीर जेलेंस्की ने दूसरे शांति सम्मेलन की मेजबानी करने का प्रस्ताव भारत के सामने रखा है। हालांकि इस खबर के फौरन बाद एक दूसरी खबर आई कि यूक्रेन ने रूस के सरातोव शहर में एक 38 मंजिला रिहायशी इमारत पर ड्रोन से हमला किया है। इस हमले के वीडियो ने 11 सितंबर को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए हमले की भयावह यादें ताजा कर दीं। गनीमत यह है कि अब तक सरातोव पर हुए हमले में जान–माल के ज्यादा नुकसान की खबर नहीं है। लेकिन जिस तरह से यह हमला हुआ, वह रूस और यूक्रेन के बीच शांति की संभावनाओं को और धूमिल कर रहा है। क्योंकि रूस इस हमले के बाद शायद ही शांत बैठे। रूस और यूक्रेन के बीच छिड़े युद्ध में पश्चिमी शक्तियों की सक्रिय भागीदारी है। अमेरिका, ब्रिटेन आदि देश खुलकर यूक्रेन का साथ दे रहे हैं। जबकि भारत ने अपने पुराने मित्र रूस को ही यूक्रेन पर तरजीह दी है। 2023 के जी–20 सम्मेलन में यूक्रेन को आमंत्रित नहीं किया गया था, पिछले महीने जुलाई में यूएनजीए में यूक्रेन के खिलाफ रूस के हमलों को रोकने के लिए वोटिंग से भारत ने दूरी बनाई। 2022 में सुरक्षा परिषद में यूक्रेनी इलाकों पर रूस के कब्जे और जनमत संग्रह के खिलाफ पारित प्रस्ताव से भी भारत दूर ही रहा था। पश्चिमी देशों और यूक्रेन की आपत्तियों के बावजूद रूस से तेल का आयात भारत ने जारी रखा है। ऐसे तमाम उदाहरण यह बताते हैं कि भारत और रूस की मित्रता पहले की तरह बनी हुई है और इस दौरान अगर भारत यूक्रेन के जख्मों पर भी मलहम लगा रहा है, तो इसका अर्थ यही है कि भारत हर हाल में विश्व शांति चाहता है। यूक्रेन भी शांति की बात करता है, लेकिन कीव की शर्तों पर, वहीं रूस भी किसी कीमत पर पीछे हटने तैयार नहीं है। यूक्रेन ने पहला शांति सम्मेलन स्विट्जरलैंड में किया था, जिसमें करीब 90 देशों ने भागीदारी की थी, लेकिन चीन इससे दूर रहा था। अब दूसरे सम्मेलन के लिए भारत के अलावा तुर्किए, सऊदी अरब, कतर और स्विट्जरलैंड से भी चर्चा चल रही है। शांति सम्मेलन इनमें से किसी भी देश में हो, महत्वपूर्ण बात यह है कि इसमें भारत अब किस तरह की भूमिका निभा सकता है और क्या इससे दो सालों से चल रहे युद्ध पर विराम लगेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी यूक्रेन यात्रा में भारत की विदेश नीति के अनुरूप विश्वशांति पर ही जोर दिया है, इससे पहले जुलाई के दूसरे हफ्ते में जब प्रधानमंत्री मोदी रूस गए थे, तब भी वहां उन्होंने यही कहा था कि युद्ध की जगह वार्ताओं से समाधान निकाले जाने की जरूरत है। हालांकि तब रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन को गले लगाने पर यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा था कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नेता (मोदी) का दुनिया के सबसे खूनी अपराधी (पुतिन) को गले लगाना दिल तोड़ने वाला है। 44 दिन बाद प्रधानमंत्री मोदी ने जेलेंस्की को भी गले लगाया।

हालांकि पुतिन ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, क्योंकि रूस भी भारत की गुटनिरपेक्ष नीति को समझता है।रूस और यूक्रेन के अलावा फिलीस्तीन पर इजरायल के हमलों से भी विश्व शांति तार–तार हुई है। हमास के खात्मे के नाम पर इजरायल ने फिलीस्तीन में नरसंहार किया है और यह खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है, ऐसे में अब भारत के लिए कड़े फैसले लेने का वक्त आ गया है। इजरायल के साथ भारत के आर्थिक–सामरिक संबंध रहे हैं। लेकिन पिछले दिनों इजरायल के पूर्व राजदूत डेनियल कार्मन ने दावा किया था कि हमास से युद्ध के दौरान भारत, इजरायल को शायद इसलिए हथियारों की सप्लाई कर रहा है, क्योंकि करगिल युद्ध के समय इजरायल ने भारत की सहायता की थी। इस बयान के बाद 25 अगस्त को नई दिल्ली में फिलिस्तीन नेता मोहम्मद मकरम बलावी के साथ अलग–अलग दलों के राजनेताओं की एक बैठक में हुई, जिसमें सपा के राज्यसभा सांसद जावेद अली खान, कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद कुंवर दानिश अली, सपा के लोकसभा सांसद मोहिबुल्लाह नदवी, पूर्व सांसद और राष्ट्रवादी समाज पार्टी के पूर्व अध्यक्ष मोहम्मद अदीब, आप सांसद संजय सिंह, आप विधायक पंकज पुष्कर, कांग्रेस प्रवक्ता मीम अफजल और जदयू नेता के सी त्यागी शामिल थे। बैठक के बाद सभी नेताओं ने एक संयुक्त बयान जारी कर कहा कि इजरायल की तरफ से गजा में किए जा रहे नरसंहार में भारत कतई भागीदार नहीं हो सकता है, इसलिए उसे इजरायल को गोला–बारूद की आपूर्ति नहीं करनी चाहिए। इजरायल की तरफ से जारी यह क्रूर हमला न केवल मानवता का अपमान है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कानून और न्याय और शांति के सिद्धांतों का भी घोर उल्लंघन है। इस संयुक्त बयान में फिलीस्तीन के साथ भारत के संबंधों की याद दिलाते हुए कहा गया कि भारत को इस बात पर गर्व है कि वह 1988 में फिलिस्तीन को मान्यता देने वाला पहला गैर–अरब देश था। भारत ने फिलिस्तीनी लोगों की संप्रभुता और मुक्ति के अधिकार का लगातार समर्थन किया है। यह बयान इसलिए मायने रखता है क्योंकि इसमें सपा और कांग्रेस के साथ–साथ जदयू नेता के भी हस्ताक्षर हैं। इसे एनडीए में उठते विरोधी सुर की तरह देखा जा रहा है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय मसलों पर भारत में दलगत राजनीति से ऊपर उठकर एकजुटता के साथ फैसले लेने की परिपाटी चलती आई है। आजादी के बाद से अपनाई गई विदेश नीति को थोड़े बहुत फेरबदल के साथ ही संचालित किया जा रहा है। ऐसे में देखना होगा कि अब केंद्र सरकार इस बयान पर क्या प्रतिक्रिया देती है।

बीएसएनएल 4जी का अगले साल मार्च तक पूरी तरह लागू होना संभव

रवींद्र नाथ सिन्हा

केन्द्रीय दूरसंचार विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में संकटग्रस्त सार्वजनिक उपक्रम, गैर–सूचीबद्ध बीएसएनएल के लिए एकमात्र अच्छी बात यह है कि कस्बों और मध्यम आकार के शहरों में रहने वाले अनेक उपयोगकर्ता ट्राई की मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) योजना के तहत अन्य दूरसंचार सेवा प्रदाताओं से इसमें पोर्ट कर रहे हैं, इसके बावजूद कि 4जी सुविधा टुकड़ों–टुकड़ों में लॉन्च की जा रही है। पिछले 18 महीनों में दूरसंचार विभाग और कंपनी के शीर्ष अधिकारियों द्वारा नयी दिल्ली में आंतरिक बैठकों में बीएसएनएल के 4जी को पूरे भारत में लॉन्च करने की कई तारीखों का उल्लेख किया गया है, लेकिन वे नेक इरादे ही साबित हुए। आधिकारिक सूत्रों से प्राप्त संकेतों और ट्रेड यूनियनों के पास उपलब्ध जानकारी के अनुसार, दूरसंचार विभाग दिसंबर के अंत तक बीएसएनएल के 4जी को लॉन्च करने के लिए उत्सुक है। यदि एक बार फिर लक्ष्य चूक जाता है, तो दूरसंचार विभाग अगले कार्यक्रम को मार्च में शुरू करने पर अड़ा हुआ है। बीएसएनएल मुख्यालय को यह संदेश दे दिया गया है। इसका एक अर्थ यह है कि बीएसएनएल को मुख्य विक्रेता, टाटा समूह की आईटी दिग्गज टीसीएस द्वारा कार्यान्वयन की गति के बारे में अतिरिक्त सतर्क रहना होगा, जो सॉफ्टवेयर पक्ष की देखभाल कर रही है। टीसीएस द्वारा नियंत्रित तेजस नेटवर्क हार्डवेयर के लिए जिम्मेदार है, जिसे एक लाख साइटों में नवीनतम 4जीध्5जी रेडियो एक्सेस नेटवर्क (आरएएन) की आपूर्ति करना है। दूरसंचार विभाग द्वारा प्रशासित आईटीआई भी काफी हद तक इसमें शामिल है, जिसकी जिम्मेदारियों में इंजीनियरिंग, वार्षिक रखरखाव और आरएएन की कुल आवश्यकता (पश्चिम क्षेत्र के लिए) के 20 प्रतिशत से अधिक की आपूर्ति शामिल है। दूरसंचार विभाग की शाखा सी–डॉट सर्किट–स्विच्ड (सीएस) कोर का प्रभारी है, जो कुछ विरासत प्रणालियों और सभी विशेष अनुप्रयोगों का ख्याल रखता है। इस समय सबसे प्रासंगिक प्रश्न यह है कि क्या अगले सात महीनों में अखिल भारतीय 4जी लॉन्च पर्याप्त गति प्राप्त करेगी ताकि यह वित्तीय रूप से आरामदायक स्थिति में आ सके, विशेषकर दिसंबर के अंत और अगले मार्च के निर्धारित समय सारिणी को ध्यान में रखते हुए? मुख्यतरू तब जबकि अन्य तीन टेलिफोन सेवा प्रदाताओं– रिलायंस जियो, एयरटेल और वोडाफोन, आइडिया–से बीएसएनएल में पोर्टिंग हो रही है। कुछ सकारात्मक बातें हैं जो इस सरकारी कंपनी की मदद कर सकती हैं। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण इसकी टैरिफ रणनीति होगी जो हमेशा की तरह तर्कसंगत, सस्ती और उपयोगकर्ता–प्रेरित होने की उम्मीद है, भले ही इसका लक्ष्य केंद्र के व्यापक संभव कवरेज के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सबसे दूर के ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचना हो। एक प्रमुख तत्व आधारभूत टैरिफ निर्धारण होगा। यह दर कम आय वाले उपयोगकर्ताओं के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक है। लाभ के लिए, यह इंटरनेट और अन्य प्रौद्योगिकी–गहन सेवाओं पर भरोसा कर सकता है। जिसका अर्थ है कि यह अन्य सेवा प्रदाताओं के माध्यम से आधारभूत उपयोगकर्ता मूल्य तय करने में उदार हो सकता है। रिलायंस जियो, एयरटेल और वीआई द्वारा 3–4 जुलाई से 10 से 25 प्रतिशत से अधिक की टैरिफ वृद्धि ने उपयोगकर्ताओं की प्रतिक्रिया को जन्म दिया और बीएसएनएल ने आधिकारिक तौर पर कहा है कि तब से अब तक 2.5 लाख से अधिक उपयोगकर्ता बीएसएनएल के 4जी में स्थानांतरित हो चुके हैं। 2021 के अंत से परियोजना कार्यान्वयनकर्ताओं द्वारा व्यवस्थित तरीके से काम शुरू किये जाने के बाद जैसे–जैसे टुकड़ों में लॉन्च ने गति पकड़ी, 2023 के अंत में लगभग आठ लाख ग्राहक इसमें शामिल हो गये। सीटू से संबद्ध बीएसएनएल कर्मचारी संघ के महासचिव पेरुमल अभिमन्यु के अनुसार, यदि एमएनपी के तहत पोर्टिंग और नये ग्राहक जोड़ने को एक साथ माना जाता है, तो इस पीएसयू ने पंजाब, हरियाणा, हिमाचल और दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में लगभग 25 लाख उपयोगकर्ता प्राप्त किये हैं। अभिमन्यु ने संवाद को बताया, श्आखिरकार कुछ अच्छा हो रहा है। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) से सम्बद्ध भारतीय दूरसंचार कर्मचारी संघ के महासचिव आर सी पांडे ने संवाद को बताया कि एक लाख बेस ट्रांससीवर स्टेशन (बीटीएस) स्थापित करने के लक्ष्य पर काम में तेजी आने से आखिरकार परिणाम सामने आ रहे हैं। इस संदर्भ में, उत्पल घोष दस्तीदार, जो यहां लंबे समय से बीएमएसटीयू शाखा से जुड़े हुए हैं, ने इस संवाददाता को एक दिलचस्प बात बताई कि पर्यटक हमेशा बीएसएनएलसिम (ग्राहक पहचान मॉड्यूल) रखना पसंद करते हैं, भले ही वह दूसरे एक्सेस फैसिलिटेटर के रूप में ही क्यों न हो, क्योंकि दूरदराज के इलाकों में भी बीएसएनएल टावर उपलब्ध हैं। घोष दस्तीदार ने कहा कि पर्यटन अर्थव्यवस्था का एक बढ़ता हुआ क्षेत्र है और बीएसएनएल संचार यातायात में वृद्धि का एक हिस्सा हासिल करने की उम्मीद कर सकता है। लेकिन, दूरसंचार हलकों में आम राय है कि कुछ अनुकूल परिस्थितियों के बावजूद, एकमात्र पीएसयू सेवा प्रदाता के लिए यह लंबी अवधि की यात्रा होगी क्योंकि पिछले 8–10 वर्षों में गिरावट इतनी तेज रही है कि अगले तीन–चार वर्षों में दूरसंचार कंपनियों के बीच तीसरा स्थान हासिल करना भी इस समय मुश्किल लग रहा है। वर्तमान में, बाजार हिस्सेदारी के मामले में बीएसएनएल रिलायंस जियो, एयरटेल और वीआई के बाद चौथे स्थान पर है। यूनियन सूत्रों का मानना है कि अगर यह तीन–चार साल की समय–सीमा में मौजूदा आठ प्रतिशत से 15प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी हासिल कर लेता है तो यह एक उपलब्धि होगी। इसके लिए पुराने लैंडलाइन ग्राहकों को वापस जीतने और नये ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए एक साथ अभियान चलाना होगा, खासकर कॉरपोरेट सेक्टर से। प्रतिस्पर्धी टैरिफ निर्धारण इस दिशा में इसके प्रयासों में मदद कर सकता है। वायरलाइन सेगमेंट के लिए नये सिरे से अभियान महत्वपूर्ण हो गया है क्योंकि बीएसएनएल से लगातार अन्य निजी क्षेत्र की दूरसंचार कंपनियों के चले जाने से इसके लैंडलाइन ग्राहकों की संख्या में भारी कमी आई है।

रोजगार अधिकार अभियान के लिए एकजुट हुए छात्र युवा संगठन

सुपर रिच की सम्पत्ति पर टैक्स लगाकर जुटाए जाएं संसाधन

लखनऊ (संवाददाता)। कॉर्पोरेट घरानों व सुपर रिच की संपत्ति पर समुचित टैक्स लगाने, शिक्षा, स्वास्थ्य व रोजगार की गारंटी करने, देश में खाली पड़े सरकारी पदों को तत्काल भरने और हर व्यक्ति के सम्मानजनक जीवन की गारंटी करने के सवालों पर लखनऊ में विभिन्न छात्र युवा संगठनों, युवा व छात्र नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं की बैठक में रोजगार अधिकार अभियान चलाने का निर्णय हुआ। विधान सभा के सामने स्थित एसएफआई के राज्य कार्यालय पर आयोजित बैठक में इन मुद्दों को व्यापक स्तर पर छात्र–युवाओं, अधिवक्ता, व्यापारी समेत समाज के सभी तबकों के बीच ले जाने और इस पर सबके सुझाव लेने के लिए कार्ययोजना तैयार की गई। इस अभियान के संचालन के लिए 13 सदस्यीय संयोजक मंडल का गठन किया गया और भविष्य में इसे और विस्तारित करने का फैसला लिया गया। बैठक का संचालन एसएफआई के अब्दुल वहाब ने किया। बैठक में युवा मंच के संयोजक राजेश सचान ने रोजगार और उसकी राजनीतिक अर्थनीति पर बात रखते हुए कहा कि बेरोजगारी के सवाल को हल किया जा सकता है बशर्ते आर्थिक नीतियों में बदलाव हो। कहा कि प्रबुद्ध अर्थशास्त्रियों के एक समूह का बराबर मत रहा है कि सुपर रिच तबकों पर महज 2 फीसद संपत्ति कर और समुचित उत्तराधिकार कर लगाकर शिक्षा, स्वास्थ्य व रोजगार के सवाल को हल करने के लिए पर्याप्त संसाधनों को जुटाया जा सकता है। कहा कि सरकारी विभागों में खाली करीब एक करोड़ पदों को भरने को लेकर भी सरकारें कतई गंभीर नहीं है। केंद्र सरकार के 10 लाख पदों को मिशन मोड में भरने के पीएम मोदी के वायदे को आज तक पूरा नहीं किया गया।बैठक में डीवाईएफआई के प्रदेश सचिव गुलाब चंद ने इस पहल को बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों से बेरोजगारी की समस्या विकराल हुई है। शिक्षा–स्वास्थ्य व रोजगार और सामाजिक सुरक्षा जैसे मदों में बजट शेयर लगातार घटता जा रहा है। मनरेगा की तरह शहरी लोगों के लिए रोजगार गारंटी कानून की जरूरत है। एसएफआई के अब्दुल वहाब व डीवाईएफआई के दीप डे ने बताया कि विश्वविद्यालयों व कालेजों में छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है। नई शिक्षा नीति के दुष्प्रभावों को भी रोजगार अधिकार अभियान में प्रमुखता से उठाया जाना चाहिए। भगत सिंह स्टूडेंट्स मोर्चा की आकांक्षा आजाद ने कहा कि पेपर लीक और रोजगार के संकट के कारण नौजवानों की आत्महत्या की दरों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। शिक्षा के निजीकरण का सर्वाधिक बुरा प्रभाव गरीबों व महिलाओं पर पड़ा है। मंहगी होती शिक्षा के चलते बड़े पैमाने पर छात्राएं शिक्षा छोड़ने के लिए मजबूर हो रही है। नौजवान भारत सभा के लालचंद ने कहा कि सरकार बेरोजगारी का कारण लोगों पर ही थोप रही है और कह रही है कि स्किल्ड लोग भारत में हैं ही नहीं जबकी देश में योग्य लोगों की कमी नहीं है। एनएसयूआई के प्रदेश सचिव अहमद राजा खान चिश्ती ने कहा कि केंद्र सरकार युवाओं की एकजुटता को कमजोर करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है लेकिन अब इसमें कामयाब नही होगी। लखनऊ यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र नेता इमरान राजा ने कहा कि रोजगार अधिकार अभियान को लखनऊ में जमीनी स्तर पर फैलाने की जरूरत है। युवा अधिवक्ता ज्योति राय ने सुझाव दिया कि राजधानी के हर यूनिवर्सिटी व कालेज में छात्रों से जनसंपर्क किया जाए। इसके अलावा समाज के सभी तबकों से भी बड़े पैमाने पर संवाद किया जाए। ऑल इंडिया यूथ लीग के महासचिव डॉक्टर अवधेश चौधरी ने मुद्दों से सहमति जताते हुए कहा कि उनका संगठन पूरी ताकत से इस अभियान में रहेगा। डॉक्टर आरती ने आशा, आंगनबाड़ी जैसी मानदेय कर्मचारियों के सम्मान जनक वेतनमान का मुद्दा उठाते हुए कहा कि बेरोजगारी का दंश महिलाओं को कहीं ज्यादा झेलना पड़ता है। मजदूर नेता प्रमोद पटेल ने प्रदेश में सरकारी नौकरियों में बढ़ रही संविदा प्रथा पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इसे समाप्त करने की मांग उठाई। दिशा छात्र संगठन के मृत्युंजय ने कहा कि देश में रोजगार को संवैधानिक अधिकार बनाना वक्त की जरूरत है। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी की शैली ने कहा ट्रांसजेंडर कम्युनिटी उपेक्षा का शिकार है। उनके लिए शिक्षा व रोजगार को लेकर सरकार विशेष उपाय करे। डाक्टर आदित्य प्रकाश मिश्रा ने इस अभियान को वक्त की जरूरत बताया।

कोलकाता की छात्रा को श्रद्धांजलि

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के हजरतगंज गांधी सेतु प्रतिमा पर मंगलवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। वी वांट जस्टिस स्लोगन के साथ भाजपा नेत्री अपर्णा यादव ने स्कूल और इंस्टीट्यूट के छात्रों सहित महिलाओं को इकट्ठा किया। अपर्णा यादव के साथ उनकी मां लखनऊ नगर निगम अधिकारी अम्बी बिष्ट भी मौजूद रहीं। अम्बी बिष्ट ने कहा कि जिस तरीके से बंगाल में घटनाएं हुई हैं। वैसी नगर निगम में भी हुआ करती थी। इसलिए मुझे वहां पर संगठन बनाना पड़ा। हम यहां खुलकर पूरी बात नहीं कह सकते हैं। उत्तर प्रदेश में महिलाओं को लेकर जागरूकता फैलानी पड़ेगी।

सैकड़ो की संख्या में पहुंची महिलाओं और अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ अपर्णा यादव ने पश्चिम बंगाल के सीएम ममता बनर्जी का पुतला भी गांधी प्रतिमा के पास जलाया गया। मोमबत्ती जलाकर मेडिकल कॉलेज की छात्रा की मौत पर श्रद्धांजलि दी गई। भाजपा नेत्री और सामाजिक कार्यकर्ता अपर्णा यादव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ममता बनर्जी ने उत्तर प्रदेश की जनता का बार–बार अपमान किया है। पश्चिम बंगाल के चुनाव के दौरान भी ममता बनर्जी ने यूपी की जनता को लेकर विवादित टिप्पणी की थी। अपर्णा ने कहा, ममता बनर्जी गुंडी मुख्यमंत्री हैं।

वो प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं दिल्लीवाले उन्हें समझाएंगे-अखिलेश का सीएम योगी पर तंज

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बांग्लादेश पर दिए गए बयान पर तंज कसते हुए सोमवार को कहा कि वह (योगी) प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं, कम से कम उन्हें प्रधानमंत्री का रोल प्ले नहीं करना चाहिए। सपा प्रमुख यादव ने यहां सोमवार को संवाददाताओं से बातचीत के दौरान एक सवाल के जवाब में कहा कि वह (योगी आदित्यनाथ) प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं। कम से कम उन्हें प्रधानमंत्री का रोल प्ले (भूमिका) नहीं करना चाहिए। यादव ने देश की विदेश नीति से जुड़े मामलों को लेकर कहा, यह कार्य प्रधानमंत्री जी का है, भारत सरकार का है कि दुनिया में किस देश के साथ कैसा संबंध रखना है। यह पहली बार मुख्यमंत्री जी नहीं कह रहे हैं। मुख्यमंत्री जी पहले भी कह चुके हैं। मुझे उम्मीद है कि दिल्ली वाले (केन्द्र सरकार) उन्हें समझाएंगे कि दिल्ली वाले फैसलों में वह हस्तक्षेप न करें। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समृद्धि की पराकाष्ठा तक पहुंचने के लिए लोगों से एकजुट रहने की अपील करते हुए सोमवार को आगरा में कहा कि बांग्लादेश में हुईं गलतियां भारत में नहीं होनी चाहिए। योगी ने कहा, ''राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं हो सकता, राष्ट्र तभी मजबूत होगा, जब हम सब एकजुट रहेंगे। बंटेंगे तो कटेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, ''बांग्लादेश में देख रहे हैं न, वो गलतियां यहां नहीं होनी चाहिए। एक रहेंगे– नेक रहेंगे, सुरक्षित रहेंगे और समृद्धि की पराकाष्ठा तक पहुंचेंगे। बांग्लादेश में, हाल में बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शन हुए हैं, जिस कारण प्रधानमंत्री पद से शेख हसीना को हटना पड़ा और देश छोड़ना पड़ गया। हालांकि, इसके बाद भी पड़ोसी देश में हिंसा की घटनाएं जारी रहीं, जिनमें हिंदू अल्पसंख्यक समुदाय पर लक्षित हमले किये गए।

खदरा-फैजुल्लागंज पहुचे नगर आयुक्त, फॉगिंग के निर्देश

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने मंगलवार सुबह सीतापुर रोड से लगी बस्ती का निरीक्षण किया। जोन–3 के तहत आने वाले खदरा और फैजुल्लागंज इलाकों में पहुंचकर नगर आयुक्त ने साफ सफाई का जायजा लिया। स्थानीय लोगों से मुलाकात कर फॉगिंग के बारे में जानकारी हासिल की। दरअसल, राजधानी के कई इलाकों में बारिश के दौरान डेंगू, मलेरिया, वायरल फीवर के मामलों में तेजी से इजाफा हुआ है। इन इलाकों में पहले डायरिया का अटैक भी देखने को मिला था। लगातार कई दिनों तक मेडिकल टीम ने यहां कैंप कर रोगियों को दवाई बांटी गई। स्थलीय निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने सफाईकर्मियों को मास्क लगाने की नसीहत दी। सभी को बिना लापरवाही काम करने के निर्देश दिए। फॉगिंग करने वाले कर्मियों को फेस कवर यानी फेस शील्ड लगाने की बात कही। साथ ही फॉगिंग करने के दौरान अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। मंगलवार सुबह 6 बजे सभी 4 वार्ड में अभियान की शुरुआत करने के मकसद से बड़े और छोटे नाले नालियों के अलावा घरों में भी एन्टी–लार्वा का छिड़काव कराते हुए फॉगिंग कराई गई। साथ ही जलाशयों में ड्रोन के माध्यम से छिड़काव करने के निर्देश दिए गए। नगर आयुक्त ने रोजाना नियमित रूप से टीमें बनाकर सफाई के निर्देश दिए। स्थानीय लोगों को डेंगू और मलेरिया जैसे घातक संचारी रोगों की जानकारी देते हुए इनसे बचाव के तरीकों को भी जागरूक किया गया। इस दौरान घातक रोगों की रोकथाम में सभी के योगदान की अहमियत बताई गई।

सिद्धशक्ति पीठ सत्य मंदिर द्वारा श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर तीन दिवसीय भव्य आयोजन सम्पन्न

लखनऊ (संवाददाता)। आध्यात्मिक गुरु दिव्य शक्ति मां पूनम जी के मार्ग दर्शन में सिद्धशक्ति पीठ सत्य मंदिर द्वारा श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर तीन दिवसीय भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 24 अगस्त को श्रीहरि भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया जो अयोध्या मार्ग स्थित बाबू बनारसी दास कॉलेज से प्रारंभ होकर सिद्ध शक्तिपीठ सत्य तीर्थ आश्रम पर समाप्त हुई। जिसमें भगवान श्री कृष्ण के विविध रूपों को अपने शीश पर धारण किये हुये वाणी साधिकाएं चल रही थीं। सुसज्जित रथ पर सुदर्शन चक्रधारी भगवान श्री कृष्ण का विराट दर्शन सब का मन मोह रहा था। वाणी समिति एवं ह्यूमैनिटी फाऊंडेशन ऑफ इंडिया के सदस्यों के हाथों में नीले झंडे तथा मस्तक पर ओमः शिव' हरि महामंत्र की पट्टी अत्यंत आकर्षक लग रही थी। भक्तों ने श्री हरि के भजन गाकर, संपूर्ण वातावरण को ही आध्यात्मिकता की सुगंध से भर दिया ।25 अगस्त को सिद्ध शक्तिपीठ सत्य मंदिर की पवित्र पावन भूमि के ऊपरी भाग पर स्थित विश्वात्मा मंदिर के समक्ष आत्म उत्थान केंद्र में श्री हरि विष्णु भगवान जी की भव्य विशालकाय प्रतिमा भागवत अवतरण 3डी डिजिटल शो के माध्यम से सभी भक्तों ने भगवान के सजीव दर्शन किये। प्रोजेक्टर के माध्यम से दशावतार दिखाए गये एवं आने वाले प्रलय काल के दर्शन करके सबका मन रोमांचित हो उठा। इसके अतिरिक्त सिद्ध शक्तिपीठ सत्य मंदिर एवं विश्वात्मा मंदिर में भव्य झांकी सजाई गई जिसमें भगवान श्री कृष्ण की विभिन्न लीलाओं को प्रदर्शित किया गया। 26 अगस्त को सिद्ध शक्तिपीठ सत्य तीर्थ आश्रम की पावन भूमि पर श्री कृष्णा जन्माष्टमी का समारोह अत्यंत ही भव्य एवं अलौकिक रूप में मनाया गयाय जहां उपस्थित सैकड़ो लोगों को ऐसा आभास हुआ जैसे कि वह द्वापर युग में पहुंच गए हों। भगवान श्री कृष्ण की भव्य झांकी का अनावरण आध्यात्मिक गुरु दिव्य शक्ति मां पूनम जी एवं दिव्य शक्ति योगीराज श्री अभिनव महाराज जी के कर कमल द्वारा हुआ। ह्यूमैनिटी फाऊंडेशन ऑफ इंडिया के युवा सदस्यों ने निर्दोष पशुओं की बलि के विरोध में एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया एवं कालिया नाग मर्दन और भगवान श्री कृष्ण की रासलीला में छिपे वास्तविक अर्थ को नित्य के माध्यम से सब के समक्ष रखा। सिद्ध शक्ति पीठ सत्य मंदिर की प्रवक्ता कोमल पत्रकार ने बताया कि सिद्ध शक्ति पीठ सत्य मंदिर की पावन भूमि से आज तक कोई भी खाली हाथ नहीं लौटा है। सब की ही मनोकामनाएं पूर्ण हुई है। विश्व का यह एकमात्र अनोखा मंदिर है जहां आज के युग में अवतरित होने वाला भगवान का ष्लिपि रूपष् दर्शन प्रतिष्ठापित है। उन्होंने आगे बताया कि 31 मार्च सन 1972 से भगवान श्री हरि ने श्री कृष्ण चेतनावतार देवी मां के माध्यम से लिपि रूप में भगवान ने अपना संदेश देना आरंभ किया। जो अनवरत आध्यात्मिक गुरु दिव्य शक्ति मां पूनम जी एवं दिव्य शक्ति योगीराज श्री अभिनव महाराज जी के कर कमल से प्रवाहित हो रहा है। इसके लगभग 400 से भी अधिक वाणी खंड प्रकाशित किया जा चुके हैं जिनके अध्ययन, मनन, चिंतन मात्र से देश विदेश में रहने वाले हजारों श्रद्धालुओं को अपने जीवन, कष्ट और संघर्षों से मुक्ति प्राप्त हो रही है।

लखनऊ एयरपोर्ट पर 68 लाख का सोना पकड़ा

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां लखनऊ एयरपोर्ट पर बैंकॉक से आए एक यात्री के पास से 68 लाख का सोना पकड़ा गया है। वहीं यात्री द्वारा सोना लाने का तरीका देखकर अधिकारी भी दंग रह गए। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, लखनऊ एयरपोर्ट पर रोज की तरह हलचल थी कि तभी चेकिंग करने वाले अधिकारियों की नजर एक यात्री पर पड़ी। वह यात्री थोड़ा–सा घबराया हुआ लग रहा था। अधिकारियों ने उसे रोका और पूछताछ की। पूछताछ में वह सकपका रहा था इस पर अधिकारियों को मामला गड़बड़ लगा तो उन्होंने उसकी तलाशी लेनी शुरू की। तलाशी में अधिकारियों को यात्री की जींस के बेल्ट में 68 लाख का सोना मिला। जिसके बाद कस्टम ने उसे हिरासत में ले लिया और पूछताछ में जुट गई। आपको बता दें कि एयरपोर्ट से जुड़े अधिकारियों ने जानकारी दी कि यात्री फ्लाइट नंबर एफडी 146 से बैंकॉक से लखनऊ पहुंचा था। उसने अपनी जींस के बेल्ट में नीले रंग के कपड़े में पेस्ट के रूप में सोना छुपा रखा था। चेकिंग के दौरान यात्री के जींस के बेल्ट से लगभग 931 ग्राम सोना बरामद हुआ है, जिसकी कीमत 68,42,850 रुपए बताई जा रही है।

बार एसोसिएशन के चुनाव में ब्राम्हण समाज के प्रत्याशी पर चर्चा

(संवाददाता)

फतेहपुर। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएषन के चुनाव को दृश्टिगत् रखते हुये आदर्ष अधिवक्ता संगठन से सम्बन्धित ब्राम्हण समाज के अधिवक्ताओं की एकता बैठक चुनाव की रणनीति तय करने व सर्व सम्मति से अध्यक्ष पद हेतु ब्राम्हण प्रत्याषी चयन किये जाने के सम्बन्ध में सिविल कोर्ट में बार एसोसिएषन सभागार में सम्पन्न हुई। जिसमें वरिश्ठ अधिवक्ताओं व डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएषन के ब्राम्हण समाज के निर्वाचित पूर्व अध्यक्ष व महामंत्री सहित आम ब्राम्हण अधिवक्ताओं ने षिरकत की। उक्त बैठक में एक स्वर में कुछ तथाकथित स्वयंभू राजनैतिक अधिवक्ता नेताओं द्वारा विगत् वर्श की भाँति इस वर्श भी बार के चुनाव में समाज से बागी प्रत्याषी उतारे जाने की कटु निन्दा की गयी तथा सभी समाज के अधिवक्ताओं से एकजुट होकर सर्व सम्मति से आदर्ष अधिवक्ता संगठन की ओर से सभी पार्टनर समाज के साथियों व आम अधिवक्ताओं में लोकप्रिय प्रत्याषी के चयन पर बल दिया गया। उक्त बैठक में सर्व सम्मति से पॉच वरिश्ठ अधिवक्ताओं प्रमोद कुमार उपाध्याय, बाबू प्रसाद दीक्षित, रामगोपाल षुक्ला, लक्ष्मीकान्त द्विवेदी, संतोश दीक्षित सहित समाज से निर्वाचित पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व महामंत्रियों की एक समिति गठित की गयी जो आगामी बार के चुनाव में चुनाव सम्बन्धित रणनीति तय करने आगामी चुनाव में अध्यक्ष पद हेतु आवेदन प्राप्त करने व चयन प्रक्रिया पर विचार करके बार का चुनाव घोशित होने के बाद प्रत्याषी घोशित करेंगे। उक्त हेतु 15 सितम्बर 2024 तक आवेदन प्राप्त किये जाने हेतु आम सभा द्वारा निर्णय किया गया। उक्त बैठक में यह भी तय किया गया कि सभी जातियों व धर्मों के अधिवक्ताओं से बेहतर सामन्जस्य स्थापित करके पैक्ट बनाने व 25 विभिन्न पदों में चुनाव लड़ाये जाने हेतु सभी के सामन्जस्य से प्रत्याषियों पर भी विचार विमर्ष आम अधिवक्ताओं की सहमति से उक्त समिति विचार करेगी। ब्राम्हण अधिवक्ताओं की उक्त बैठक की अध्यक्षता वरिश्ठ अधिवक्ता प्रमोद कुमार उपाध्याय ने की तथा संचालन मणिप्रकाष दुबे एडवोकेट ने किया। जबकि बैठक में प्रमुख रूप से वरिश्ठ अधिवक्ता ओमप्रकाष द्विवेदी, चन्द्रधर मिश्रा, राजेष अवस्थी, ज्ञान प्रकाष भारती, पूर्व अध्यक्ष प्रेमषंकर त्रिवेदी, सुषील मिश्र, सुनील बाजपेयी, पूर्व महामंत्री महेष कान्त त्रिपाठी, अनिल तिवारी, देववृत अग्निहोत्री तथा अधिवक्ता साथी षाश्वत गर्ग, सुधीर त्रिपाठी, अनुराग नारायण मिश्र, नीरज मिश्र, दीपचन्द्र त्रिपाठी, प्रभात षुक्ला, अनिल कुमार षुक्ला, संदीप कुमार षुक्ला, विजय कान्त द्विवेदी, बी०के० अवस्थी, अमित कुमार दुबे सहित सैकड़ों अधिवक्ता उपस्थित रहे।

बकेवर पुलिस द्वारा की गई बड़ी कार्यवाही

शातिर चोर सामग्री के बडे जखीरे व बाइक के साथ गिरफ्तार

(संवाददाता)

बकेवर, फतेहपुर। बकेवर पुलिस की बड़ी कार्यवाही से अंतर्जनपदीय षातिर चोर को दो चोरी की मोटरसाइकिल, चोरी से सम्बंधित माल मषरुका सौ पैकेट सर्फ एक्सल, एलइडी बल्ब आदि सहित गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल के निर्देषन व अपर पुलिस अधीक्षक विजय षंकर मिश्र एवं क्षेत्राधिकारी वीर सिंह, बिन्दकी के कुषल पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में बुधवार को सुबह समय लगभग साढ़े नौ बजे थाना बकेवर की पुलिस द्वारा मुखबिर की सटीक सूचना पर बैठका चौराहा थाना बकेवर जनपद फतेहपुर से एक अभियुक्त राहुल मिश्रा पुत्र अरुण कुमार मिश्रा निवासी ग्राम केषवपुर मेलहिया थाना हथगाँव जनपद फतेहपुर उम्र 24 वर्श, को मय चोरी के मोटरसाइकिल बजाज सीटी 100 नं. यू.पी. 78 एफ एस 9939 व एक गत्ते में 63 वेटो कम्पनी की एलईडी बल्ब व एक प्लास्टिक के बोरे में सर्फ एक्सल सौ पैकेट को हिरासत पुलिस में लिया गया। पूछताछ में पाया गया कि बरामद षुदा प्लास्टिक के बोरे में सर्फ एक्सल सौ पैकेट जो थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु.अ.सं. 85/2024 धारा 303 (2)/317 (2)/3 (5) बीएनएस से संबंधित है। अभियुक्त की निषांदेही पर उसके घर ग्राम केषवपुर मेलहिया थाना हथगाँव जनपद फतेहपुर से एक मोटरसाईकिल पैषन प्रो नं. यू.पी. 91 एम 8841 जिसके संबंध में थाना हनुमन्त बिहार जनपद कानपुर नगर में मु.अ.सं. 106/24 पंजीकृत है व एक गत्ते में प्लास्टिक की कोनिया, एक गत्ते में प्लास्टिक के गिलास, एक बण्डल में ट्रैक षूट, दो प्लास्टिक की बोरी में दस लालटेन, एक गत्ते में सनराइज मसाला नब्बे पैकेट, ग्यारह प्लास्टिक का धागा, छै डिब्बा एक–एक लीटर का एषियन पेंट्स, सत्रह डिब्बा एक–एक लीटर का डिलक्स पेन्ट, दो डिब्बा दस लीटर का एषियन पेन्ट, एक डिब्बा पांच लीटर का प्राइमर एक गत्ता षताब्दी षीड, एक बोरी में छत्तीस पैकेट व एक बोरी में अड़तीस पैकेट पांच सौ ग्राम का अज्वाइन, एक बोरी में नौ पैकेट सिनेमा गुलाल, एक बन्डल में सोलह केटीएम कम्पनी के ट्रैक्टर का षीट कवर, पांच ट्रैक्टर का हैन्डिल कवर, एक गत्ते में पंचानवे पाउच के अमूल दूध के पैकेट, छै चार सौ ग्राम व उन्नीस अस्सी ग्राम की सेवई कम्पनी मेमोस, नौ तेल कम्पनी कियो कार्पिन, उन्नीस गोल्डी विरयानी मसाला, एक प्लास्टिक की काले रंग की त्रिपाल, एक अदद रोस्टर मषीन कैन्ट, एक प्लास्टिक की बोरी में चावल, एक झाल में जैकेट लोवर आदि मिक्स कपडे व दो प्लास्टिक की पन्नी में इनर, मौजे, कैप, जैकेट, टीषर्ट आदि बरामद हुआ। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु.अ.सं. 107/24 धारा 317 (2) /317 (4) /317 (5) /318 (4) /319 (2) बीएनएस पंजीकृत करते हुए गिरफ्तार उक्त अभियुक्त राहुल मिश्रा को न्यायालय फतेहपुर के समक्ष पेष कर दिया गया जहां से उसे जिला कारागार भेज दिया गया । बताया जाता है कि अभियुक्त एक षातिर किस्म का अंतर्जनपदीय चोर है, जिसके विरुद्ध आधा दर्जन मुकदमें दर्ज है। अभियुक्त पूर्व में प्रयुक्त चोरी की घटना में प्रयुक्त वाहन का मालिक है जो गिरोह बनाकर आसपास के जनपदो में ट्रकों से चोरी किया गया सामान को खरीदता था तथा फुटपाथ पर दुकान लगाकर बेच देता था। इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक कान्ती सिंह थाना बकेवर जनपद फतेहपुर, उ.नि. दूधनाथ पाल, उ.नि. रितेष कुमार राय, आलोक यादव, अजीत कुमार यादव आदि लोग मौजूद रहे।

20 वर्षो से गांव में नाली व सड़क न बनने से जलभराव

(संवाददाता)

हुसैनगंज, फतेहपुर। हुसैनगंज थाना क्षेत्र के भिटौरा विकासखंड के ग्राम मिठ्ठनपुर किरतु (भगवान सिंह का पुरवा) में ग्रामीणों के अनुसार तकरीबन 20 वर्शों से सड़क व नाली का निर्माण नहीं हुआ है जिससे बरसात के मौसम में जल भराव व कीचड़ की समस्या से ग्रामीणों को आए दिन गुजारना पड़ रहा है गांव का मुख्य मार्ग तकरीबन दो दर्जन से ज्यादा गांव को जोड़ता है जिससे प्रतिदिन लोगों का आना–जाना रहता है गंगा घाट में स्नान करने के लिए प्रतिदिन इसी गांव से होकर सैकड़ो लोगों का आवागमन होता है क्योंकि यह गांव ओम घाट भषु धाम के बिल्कुल सामने है ग्रामीणों ने बताया कि इन 20 वर्शों में ग्राम सभा में अब तक चार प्रधान नियुक्त हो चुके हैं सभी प्रधानों से सड़क निर्माण के लिए बार–बार कहने के बावजूद भी आज तक कोई कार्य नहीं हुआ वर्तमान प्रधान जमुना प्रसाद को कई बार ग्रामीणों ने षिकायत भी किया किंतु प्रधान के कानों में जू तक नहीं रेंगी। कम बारिष होने के बावजूद भी आए दिन वाहनों का फस जाना कीचड़ में पलटना तथा बड़े बुजुर्गों का निकलना दुबर हो गया है इतना ही नहीं गांव में ही एक प्राथमिक विद्यालय है जिसमें सैकड़ो की संख्या में बच्चे प्रतिदिन षिक्षण हेतु आते हैं किंतु उन्हें भी जल भराव व कीचड़ की समस्या से जूझना पड़ रहा है कई बार तो कई बच्चे व बड़े बुजुर्ग इन कीचड़ भरे रास्तों में फिसल कर गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं इन सब के बावजूद भी प्रधान से बार–बार षिकायत करने के बाद सड़क निर्माण का कार्य नहीं हो रहा है कल कीचड़ भरे रास्ते में गांव के ही विद्युत कर्मी राजू सिंह की कार फस जाने से ग्रामीणों को काफी मषक्कत करना पड़ा किंतु गाड़ी नहीं निकली आनन फानन में गाड़ी निकालने के लिए ट्रैक्टर का सहारा लिया गया पहले प्रयास में ट्रैक्टर भी सफल नहीं रहा और रस्सी टूट गई फिर ग्रामीणों की सहायता से दोबारा ट्रैक्टर में रस्सी बांधकर गाड़ी को निकाला गया इतना ही नहीं इन सबके बीच एक अन्य रास्ते को भी अवरुद्ध कर दिया गया जिसकी षिकायत ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान जमुना प्रसाद से की तो ग्राम प्रधान ने यह कहकर पल्ला झाड़ दिया की चौकी जाकर षिकायत करो या फिर जिला अधिकारी का दरवाजा खटखटाव किंतु इन सब समस्याओं से ग्रामीणों को निजात दिलाने के लिए प्रधान खुद नहीं आए तब मजबूरन ग्रामीणों ने मिलकर निकलने के लिए कम से कम एक रास्ते की मरम्मत कर उसमें मिट्टी डालकर खुद से अपने आवागमन के लिए रास्ते को दुरुस्त किया किंतु अभी भी एक रास्ता ऐसा है जो विद्यालय से होकर समूचे गांव को जोड़ता है उस पर अभी भी प्रधान द्वारा या किसी अन्य आलाधिकारी द्वारा कोई कार्य नहीं करवाया गया है। सड़क सुद्रणीकरण के दौरान गांव के ही बड़े बुजुर्ग व नौजवानों ने मिलकर रास्ते में मिट्टी डालकर मरम्मत किया जिसमें मुख्य रूप से विद्यालय के प्रधानाचार्य अरविंद श्रीवास्तव, रविंद्र श्रीवास्तव, अखिलेष कुमार, रमेष चन्द्र, षेलेंद्र, दिलीप कुमार, प्रदीप कुमार, बुद्धा, किषन लाल, राकेष, जितेंद्र, रामनरेष, होरीलाल,धनराज, प्रमोद आदि तमाम ग्रामीण मौजूद रहे।

देहदान अभियान के तहत मेडिकल कॉलेज को दान किया देह

फतेहपुर। युग दधीचि देहदान अभियान के अंतर्गत वर्श 2017 में देहदान संकल्प लेने वाली साकेत नगर कानपुर निवासी 83 वर्शीय महिला श्रीमती उमा श्रीवास्तव ने जैसे ही अंतिम सांस ली उनका षरीर चिकित्सा जगत की अनुपम धरोहर बन गया। उत्तर प्रदेष देहदान अभियान प्रमुख मनोज सेंगर एवम माधवी सेंगर ने तत्काल उनकी पार्थिव देह को कानपुर से लाकर फतेहपुर मेडिकल कॉलेज को दान कर दिया। जिसे एनाटमी विभागाध्यक्ष डॉ षिरीन जहां ने सम्मान सहित स्वीकार किया। इस अवसर पर फतेहपुर देहदान अभियान प्रभारी विनोद गुप्ता एवम अमित गुप्ता भी उपस्थित रहे। अभियान प्रमुख मनोज सेंगर ने बताया कि आज तड़के करीब चार बजे उमा जी का निधन होने पर उनके पुत्र आलोक श्रीवास्तव ने सूचना देकर देहदान कराने का आग्रह किया। इसके बाद प्रातः काल सात बजे कानपुर में ही नेत्रदान कराने के बाद सेंगर दंपति उमा जी के आवास पर एंबुलेंस लेकर पहुंचे एवम देह का विधिवत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन कराने के बाद दोपहर एक बजे फतेहपुर मेडिकल कॉलेज को षरीर दान कराया। ज्ञातव्य है कि इस कॉलेज को यह तीसरा देहदान कराया गया है। बताया कि पूरे प्रदेष में 286वीं देह दान की गई है। अभियान के अंतर्गत अब तक 4000 से अधिक लोग देहदान संकल्प ले चुके हैं इनमे सभी धर्मों एवम वर्गों के लोग षामिल हैं।

उद्योग बन्धु की मासिक बैठक सम्पन्न

फतेहपुर। जिला स्तरीय उद्योग बन्धु समिति की मासिक बैठक कलेक्ट्रेट महात्मा गांधी सभागार में जिलाधिकारी सी. इंदुमती की अध्यक्षता में संपन्न हुई। उन्होंने कहा कि निवेष मित्र पोर्टल में प्राप्त आवेदनों का निस्तारण समय से संबंधित विभाग करे, आवेदन डिफाल्टर श्रेणी में नहीं आने पाए। षासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य वित्तीय वर्श 2024–25 के अनुसार प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद के उद्योग लगाने के लिए प्राप्त आवेदनो को नियमानुसार कार्यवाही कर ऋण मुहैया कराया जाय। उद्यमियों द्वारा उठाई गई षिकायतो का निस्तारण संवेदनषीलता के साथ एवं सकारात्मक सहयोग के साथ नियमानुसार हल कराए। औद्योगिक ईकाइयों के श्रमिको के लिए डिस्पेंसरी का संचालन के लिए जिला प्रषासन द्वारा ग्राम कोराई में जमीन प्रस्तवित की गई है, के लिए षासन स्तर पर पत्राचार करते हुए एवं नियमानुसार कार्यवाही पूरी करते हुऐ डिस्पेंसरी का निर्माण कराया जाय। उन्होंने कहा कि इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट ग्रेटर नोएडा में 25 सितम्बर से 29 सितंबर 2024 तक यूपीआईटीएएस मेला व प्रदर्षनी में जनपद फतेहपुर के उद्यमियोंद्वारा प्रतिभाग करने के लिए उपायुक्त उद्योग को निर्देषित किया कि उद्यमियों से समन्वय बनाते हुए प्रतिभाग कराना सुनिष्चित करें। आईजीएल लिमिटेड अपनी लाइन बिछाने के दौरान मे0 ब्रजबिहारी पल्प एंड पेपर लि0 के दो केबल क्षतिग्रस्त हो गए थे, को रिपेयर करने के निर्देष आईजीएल लिमिटेड के पदाधिकारी को दिए।

बतकही
हिन्दी साप्ताहिक
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भूपेंद्र सिंह द्वारा दिशेरा प्रेस, श्याम नगर, खम्भापुर, फतेहपुर से मुद्रित तथा ग्राम– रामपुर पचभिटा, मकान नं. 193, पोस्ट– दावतपुर, थाना–मलवां, जिला– फतेहपुर (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक
भूपेंद्र सिंह